



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 14]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, नवम्बर 11, 1982/कार्तिक 20, 1904

No. 14] NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 11, 1982/KARTIKA 20, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

केन्द्रीय होम्योपैथी परिषद्

सुनियोग

नई दिल्ली, 10 नवम्बर 1982

सं. 7-1/82-सी०सी०ए०—मानक के राजपत्र असाधारण सं. 2
विनाम 16 मार्च, 1982 के भाग III—खण्ड 4 में प्रकाशित केन्द्रीय होम्यो-
पैथी परिषद की अधिसूचना सं. 7-1/82-सी०सी० ए० दिनांक 15 मार्च,
1982 के हित्ये अनुच्छेद में निम्नलिखित शुद्धियों का आवाहन है, अर्थात्—

- (i) अधिसूचना की तारीख, '5 मार्च' के स्थान पर "15 मार्च"
पढ़ा जाय।
- (ii) प्रस्तावना की पक्षित 1 में "फरपत्र" के स्थान पर "परिषद" पढ़ा
जाय।
- (iii) अनुच्छेद 1 के स्थान पर निम्नलिखित अनुच्छेद प्रतिस्थापित
किया जाय, अर्थात्—
"1 इन विनियमों का संक्षिप्त नाम होम्योपैथिक विक्रिता
अवसायी (बृतिक आचरण, शिळाचार और नीतिकृत सहित)
विनियम 1982 है।"
- (iv) अनुच्छेद 1 के बाद, "1 मोषणा और शपथ" के स्थान पर "I
शोषणा और शपथ" पढ़ा जाय।
- (v) अनुच्छेद 2 की उपचारा (3) अ (4) में "करणा" के स्थान
पर "कर्तव्य" पढ़ा जाय।

- (vi) अनुच्छेद 2 की उपचारा (8) में, 'रहूणा' के स्थान पर
"रहना" पढ़ा जाय।
- (vii) अनुच्छेद 2 के बाद "2 माधारण मिद्दाल्न" के स्थान पर
"II—माधारण मिद्दाल्न" पढ़ा जाय।
- (viii) अनुच्छेद 3 में नांद की ओर से पक्षित 3 में यह के स्थान पर
पर "वह" पढ़ा जाय।
- (ix) अनुच्छेद 3 की प्रतिस्थापित पक्षित में 'कार्यों' के स्थान पर
"कार्यों" पढ़ा जाय।
- (x) अनुच्छेद 4 की पक्षित 3 में 'हाम्योपैथी का' के स्थान पर
"होम्योपैथी के" पढ़ा जाय।
- (xi) अनुच्छेद 5 की पक्षित 5 में, "मन्त्रित" के स्थान पर "मन्त्र,
निहित" पढ़ा जाय।
- (xii) अनुच्छेद 6 में "(1) विज्ञापन"—के स्थान पर "विज्ञापन—
(1)" पढ़ा जाय।
- (xiii) अनुच्छेद 6 की पक्षित 4 में, "याचना" के स्थान पर "याचना"
पढ़ा जाय।
- (xiv) अनुच्छेद 6 की पक्षित 6 में, "रीति में" के स्थान पर "रीति"
पढ़ा जाय।
- (xv) अनुच्छेद 6 की पक्षित 13 में, "शोषणा" के स्थान पर "शोषण"
पढ़ा जाय।

- (xvi) अनुच्छेद 6 की उपधारा (5) में, "तारीख" के स्थान पर "नारीख" पढ़ा जाय।
- (xvii) अनुच्छेद 8 की पंक्ति 2 में "माथी" के स्थान पर "सायी" व "आग्न्य" के स्थान पर "अन्व" पढ़ा जाय।
- (xviii) अनुच्छेद 8 की पंक्ति 3 में, "करन" के स्थान पर "करने" पढ़ा जाय।
- (xix) अनुच्छेद 8 के बाद, खण्ड "3" को "III" पढ़ा जाय।
- (xx) अनुच्छेद 11 में, उपधार शब्द के पहले "(क)" लगाया जाय।
- (xxi) अनुच्छेद 12 (2) की पंक्ति 1 में, "वसी" के स्थान पर "जैसी" पढ़ा जाय।
- (xxii) अनुच्छेद 12 (4) की अन्तिम पंक्ति में, "हा" के स्थान पर "हो" पढ़ा जाय।
- (xxiii) अनुच्छेद 13 की पंक्ति 2 में, व्यवसायी शब्द के पश्च में "को" लगाया जाय।
- (xxiv) अनुच्छेद 15 की प्रथम पंक्ति में, "अग्रसूचना" के स्थान पर "अग्रसूचना" पढ़ा जाय।
- (xxv) अनुच्छेद 16 के बाद, खण्ड "4" को "IV" पढ़ा जाय।
- (xxvi) अनुच्छेद 18 की पहली पंक्ति में, "का" के स्थान पर "को" पढ़ा जाय।
- (xxvii) अनुच्छेद 19 की पंक्ति 2 में, "क" के स्थान पर "के" पढ़ा जाय।
- (xxviii) अनुच्छेद 20 की पंक्ति 3 में, होम्योपैथी शब्द के बाद "किसी" शब्द का लोप कर दिया जाय।
- (xxix) अनुच्छेद 23 (2) की पंक्ति 2 में, "आवश्यक" के स्थान पर "आवश्यक" पढ़ा जाय।
- (xxx) अनुच्छेद 23 (3) के बाद, अनुच्छेद "24" के स्थान पर "24" पढ़ा जाय।
- (xxxi) अनुच्छेद 25 के बाद, खण्ड "5" को "V" पढ़ा जाय।
- (xxxii) अनुच्छेद 28 की अन्तिम पंक्ति में, "दली" के स्थान पर "दले" पढ़ा जाय।
- (xxxiii) अनुच्छेद 30 की पहली पंक्ति में, वरामर्श शब्द से पहले "(1)" रखा जाय।
- (xxxiv) अनुच्छेद 31 की पंक्ति 3 में, "रक्ष" के स्थान पर "कि" पढ़ा जाय।
- (xxxv) अनुच्छेद 33 (1) की पहली पंक्ति में, "अपमें" के स्थान पर "अपने" पढ़ा जाय और पंक्ति 4 में "के" शब्द का लोप कर दिया जाय।
- (xxxvi) अनुच्छेद 34 के बाद, खण्ड "6" को "VI" पढ़ा जाय।
- (xxxvii) अनुच्छेद 37 के बाद, खण्ड "7" को "VII" पढ़ा जाय।
- (xxxviii) अनुच्छेद 38 (13) की पहली पंक्ति में, "म" के स्थान पर "में" पढ़ा जाय। और "का" के स्थान पर "नथ" पढ़ा जाय।

डा. पी० एल० दर्मा, सचिव,
केन्द्रीय होम्योपैथी परिषद

CENTRAL COUNCIL OF HOMOEOPATHY

CORRIGENDUM

New Delhi, the 10th November, 1982

No. 7-1/82-CCH.—In the notification No. 7-1/82-CCH dated the 15th March, 1982 of the Central Council of Homoeopathy published in Part III, Section 4 of the Gazette of India Extraordinary No. 2 dated the 16th March, 1982, the following corrections are made in the English version, viz.,—

- (i) In the preamble, in line 2, *For '(f)' Read '(1)'.*
- (ii) In the preamble, in line 4, *For 'pevious' Read 'previous'.*
- (iii) In para 2, item (5), *For 'conscience' Read 'conscience'.*
- (iv) In para 2, item (7), *For 'confined' Read 'confided'.*
- (v) After para 2, *For the heading 'II-Central Principles' Read 'II-General Principles'.*
- (vi) In para 3, in line 5, the oblique between the words 'profession' and 'a-sume' may be omitted.
- (vii) In para 4, in line 2, *For 'highests' Read 'highest'.*
- (viii) In para 6(1), in line 4 *For 'of' Read 'or'.*
- (ix) In para 6(1), in line 6, after the words 'use of' a coma may be added.
- (x) In para 6(1), in the line 10, *For 'self-aggrandisment' Read 'self-aggrandisement'.*
- (xi) In para 7(2), in line 2, *For 'recognise' Read 'recognise'.*
- (xii) In para 8, in line 7, *For 'appliances' Read 'appliances'.*
- (xiii) In para 10(2), in line 2, *For 'be' Read 'he'.*
- (xiv) In para 11(b), in line 3, the word 'that' may be omitted.
- (xv) In para 15, *For 'Prognos's Read 'Prognosis'.*
- (xvi) In para 29, in line 4, *For 'candidate' Read 'candid'.*
- (xvii) In para 30, in line 2, after the word 'insincerity, a coma may be added.
- (xviii) In para 30, in line 4, *For 'an dno' Read 'and no'.*
- (xix) In para 35, *For 'Practitioner' Read 'Practitioners'.*
- (xx) In para 36, in line 1, *For 'Practitioner' Read 'Practitioners'.*
- (xxi) In para 36, in line 4, *For 'prevention' Read 'prevention'.*
- (xxii) In para 38, item (4), *For 'Druge' Read 'Drugs'.*
- (xxiii) In para 38, item (6), in line 1, *For 'of' Read 'or'.*
- (xxiv) In para 38, item (12), *For 'tours' Read 'touts'.*

DR. P. L. VERMA, Secy.
Central Council of Homoeopathy